रूत

यहूदा में अकाल

1 बहुत समय पहले, जब न्यायाधीशों* का शासन
था, तभी एक इतना बुरा समय आया कि लोगों
के पास खाने के लिये पर्याप्त भोजन तक न रहा।
एलीमेलेक नामक एक व्यक्ति ने तभी यहूदा के बेतलेहेम
को छोड़ दिया। वह, अपनी पत्नी और दो पुत्रों के साथ
मोआब के पहाड़ी प्रदेश में चला गया। 2उस की पत्नी
का नाम नाओमी था और उसके पुत्रों के नाम महलोन
और किल्योन थे। ये लोग यहूदा के बेतलेहेम के एप्राती
परिवार से थे। इस परिवार ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश
की यात्रा की और वहीं बस गये।

3बाद में, नाओमी का पति, एलीमेलेक मर गया। अत:
केवल नाओमी और उसके दो पुत्र बचे रह गये। 4उसके
पुत्रों ने मोआब देश की स्त्रियों के साथ विवाह किया।
एक की पत्नी का नाम ओर्पा और दूसरे की पत्नी का
नाम रूत था। वे मोआब में लगभग दस वर्ष रहे. 5फिर
महलोन और किल्योन भी मर गये। अत: नाओमी अपने
पति और पुत्रों के बिना अकेली हो गई।

नाओमी अपने घर जाती है

6जब नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश में रह रही
थी तभी, उसने सुना कि यहोवा ने उसके लोगों की
सहायता की है। उसने यहूदा में अपने लोगों को भोजन
दिया है। इसलिए नाओमी ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश
को छोड़ने तथा अपने घर लौटने का निश्चय किया।
उसकी पुत्र वधुओं ने भी उसके साथ जाने का निश्चय
किया। 7उन्होंने उस प्रदेश को छोड़ा जहाँ वे रहती थीं
और यहूदा की ओर लौटना आरम्भ किया।

8तब नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं से कहा, "तुम दोनों
को अपने घर अपनी माताओं के पास लौट जाना चाहिए।
तुम मेरे तथा मेरे पुत्रों के प्रति बहुत दयालु रही हो। सो मैं
प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा तुम पर ऐसे ही दयालु हो। 9मैं
प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा, पति और अच्छा घर पाने में
तुम दोनों की सहायता करे।" नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं
को प्यार किया और वे सभी रोने लगीं। 10तब पुत्र वधुओं
ने कहा, "किन्तु हम आप के साथ चलना चाहतें हैं और
आपके लोगों में जाना चाहते हैं।"

11किन्तु नाओमी ने कहा, "नहीं, पुत्रियों, अपने
घर लौट जाओ। तुम मेरे साथ किसलिए जाओगी? मैं
तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। मेरे पास अब कोई
पुत्र नहीं जो तुम्हारा पति हो सके। 12अपने घर लौट
जाओ! मैं इतनी वृद्धा हूँ कि नया पति नहीं रख सकती।
यहाँ तक कि यदि मैं पुन: विवाह करने की बात
सोचूँ, तो भी मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती।
यदि मैं आज की रात ही गर्भवती हो जाऊँ और दो
पुत्रों को उत्पन्न करुँ, तो भी इससे तुम्हें सहायता नहीं
मिलेगी। 13विवाह करने से पूर्व उनके युवक होने
तक तुम्हें प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। मैं तुमसे पति की
प्रतीक्षा इतने लम्बें समय तक नहीं करवाऊँगी। इससे
मुझे बहुत दु:ख होगा और मैं तो पहले से ही बहुत
दु:खी हूँ। यहोवा ने मेरे साथ बहुत कुछ कर दिया है।"

14अत: स्त्रियाँ पुन: बहुत अधिक रोयीं। तब ओर्पा
ने नाओमी का चुम्बन लिया और वह चली गई। किन्तु
रूत ने उसे बाहों में भर लिया और वहाँ ठहर गई।

15नाओमी ने कहा, "देखो, तुम्हारी जेठानी अपने
लोगों और अपने देवताओं में लौट गई। अत: तुम्हें भी
वही करना चाहिए।"

16किन्तु रूत ने कहा, "अपने को छोड़ने के लिये मुझे
विवश मत करो! अपने लोगों में लौटने के लिये मुझे
विवश मत करो। मुझे अपने साथ चलने दो। जहाँ कहीं

न्यायाधीशों इस्राएल के लोगों की रक्षा के लिये परमेश्वर
द्वारा भेंजे गये विशेष प्रमुख। इस्राएल में राजाओं के होने से
पहले यह हुआ था।

तुम जाओगी, मैं जाऊँगी। जहाँ कहीं तुम सोओगी, मैं सोऊँगी। तुम्हारे लोग, मेरे लोग होंगे। तुम्हारा परमेश्वर, मेरा परमेश्वर होगा। 17जहाँ तुम मरोगी, मैं भी वहीं मरूँगी और मैं वहीं दफनाई जाऊँगी। मैं यहोवा से याचना करती हूँ कि यदि मैं अपना वचन तोड़ूँ तो यहोवा मुझे दण्ड दे: केवल मृत्यु ही हम दोनों को अलग कर सकती है।"*

घर लौटना

18नाओमी ने देखा कि रूत की उसके साथ चलने की प्रबल इच्छा है। इसलिए नाओमी ने उसके साथ बहस करना बन्द कर दिया। 19फिर नाओमी और रूत ने तब तक यात्रा की जब तक वे बेतलेहेम नहीं पहुँच गई। जब दोनों स्त्रियाँ बेतलेहेम पहुँचीं तो सभी लोग बहुत उत्तेजित हुए। उन्होंने कहना आरम्भ किया, "क्या यह नाओमी है?"

20किन्तु नाओमी ने लोगों से कहा, "मुझे नाओमी* मत कहो, मुझे मारा* कहो। क्योंकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मेरे जीवन को बहुत दु:खी बना दिया है। 21जब मैं गई थी, मेरे पास वे सभी चीज़ें थीं जिन्हें मैं चाहती थी। किन्तु अब, यहोवा मुझे खाली हाथ घर लाया है। यहोवा ने मुझे दु:खी बनाया है अत: मुझे 'प्रसन्न'* क्यों कहते हो? सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मुझे बहुत अधिक कष्ट दिया है।"

22इस प्रकार नाओमी तथा उसकी पुत्रवधु रूत (मोआबी स्त्री) मोआब के पहाड़ी प्रदेश से लौटीं। ये दोनों स्त्रियाँ जौ की कटाई के समय* यहूदा के बेतलेहेम में आई।

रूत का बोअज़ से मिलना

2 बेतलेहेम में एक धनी पुरुष रहता था। उसका नाम बोअज़ था। बोअज़ एलीमेलेक परिवार से नाओमी के निकट सम्बन्धियों में से एक था।

2एक दिन रूत ने (मोआबी स्त्री) नाओमी से कहा, "मैं सोचती हूँ कि मैं खेतों में जाऊँ। हो सकता है कि कोई ऐसा व्यक्ति मुझे मिले जो मुझ पर दया करके, मेरे लिए उस अन्न को इकट्ठा करने दे जिसे वह अपने खेत में छोड़ रहा हो।" 3नाओमी ने कहा, "पुत्री, ठीक है, जाओ।"

अत: रूत खेतों में गई। वह फसल काटने वाले मजदूरों के पीछे चलती रही और उसने वह अन्न इकट्ठा किया जो छोड़ दिया गया था।* ऐसा हुआ कि उस खेत का एक भाग एलीमेलेक परिवार के व्यक्ति बोअज़ का था। 4बाद में, बेतलेहेम से बोअज़ खेत में आया। बोअज़ ने अपने मज़दूरों का हालचाल पूछा। उसने कहा, "यहोवा तुम्हारे साथ हो!" मजदूरों ने उत्तर दिया, "यहोवा आपको आशीर्वाद दे!"

5तब बोअज़ ने अपने उस सेवक से बातें कीं, जो मजदूरों का निरीक्षक था। उसने पूछा, "वह लड़की किस की है?" 6सेवक ने उत्तर दिया, "यह वही मोआबी स्त्री है जो मोआब के पहाड़ी प्रदेश से नाओमी के साथ आई है। 7वह बहुत सवेरे आई और मुझसे उसने पूछा कि क्या मैं मजदूरों के पीछे चल सकती हूँ और भूमि पर गिरे अन्न को इकट्ठा कर सकती हूँ और यह तब से काम कर रही है। उसका घर वहाँ है।"*

8तब बोअज़ ने रूत से कहा, "बेटी, सुनो। तुम अपने लिये अन्न इकट्ठा करने के लिये मेरे खेत में रहो। तुम्हें किसी अन्य व्यक्ति के खेत में जाने की आवश्यकता नहीं है। मेरी दासियों के पीछे चलती रहो। 9यह ध्यान में रखो कि वे किस खेत में जा रही है और उनका अनुसरण करो। मैंने युवकों को चेतावनी दे दी है कि वे तुम्हें परेशान न करें। जब तुम्हें प्यास लगे, तो उसी घड़े से पानी पीओ जिससे मेरे आदमी पीते हैं।"

10तब रूत प्रणाम करने नीचे धरती तक झुकी। उसने बोअज़ से कहा, "मुझे आश्चर्य है कि आपने मुझ पर ध्यान दिया! मैं एक अजनबी हूँ, किन्तु आपने मुझ पर बड़ी दया की।"

11बोअज़ ने उसे उत्तर दिया, "मैं उन सारी सहायताओं को जानता हूँ जो तुमने अपनी सास नाओमी को दी है। मैं

मैं ... अलग कर सकती है "यहोवा मेरा यह करे और इससे अधिक भी करे, जब तक मृत्यु हमें पृथक न करे!

नाओमी इस नाम का अर्थ "प्रसन्न," या "सुहावना" है।

मारा इस नाम का अर्थ "कटु" या "शोकपूर्ण" है।

प्रसन्न यह "नाओमी" नाम है।

कटाई के समय अर्थात् अप्रैल का अन्त और मई का प्रारंभ।

इकट्ठा किया जो छोड़ दिया गया था यह नियम था कि किसान को फसल काटने के समय कुछ अन्न खेत में छोड़ना चाहिए। यह अन्न इसलिये छोड़ा जाता था कि गरीब लोग भोजन के लिये कुछ पा सकें। देखें लैव्य. 19:9; 23:22

उसका घर वहाँ है या उसने उस निवास-स्थान पर केवल थोड़ी देर विश्राम किया।

जानता हूँ कि तुमने उसकी सहायता तब भी की थी जब तुम्हारा पति मर गया था और मैं जानता हूँ कि तुम अपने माता–पिता और अपने देश को छोड़कर इस देश में यहाँ आई हो। तुम इस देश के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानती, फिर भी तुम यहाँ नाओमी के साथ आई। 12यहोवा तुम्हें उन सभी अच्छे कामों के लिये फल देगा जो तुमने किये हैं। तुम्हें इस्राएल का परमेश्वर, यहोवा भरपूर करेगा। तुम उसके पास सुरक्षा के लिये आई हो* और वह तुम्हारी रक्षा करेगा।"

13तब रूत ने कहा, "आप मुझ पर बड़े दयालु हैं, महोदय। मैं तो केवल एक दासी हूँ। मैं आपके सेवकों में से भी किसी के बराबर नहीं हूँ। किन्तु आपने मुझसे दयापूर्ण बातें की हैं और मुझे सान्त्वना दी है।"

14दोपहर के भोजन के समय, बोअज़ ने रूत से कहा, "यहाँ आओ! हमारी रोटियों में से कुछ खाओ। इधर हमारे सिरके में अपनी रोटी डुबाओ।"

इस प्रकार रूत मजदूरों के साथ बैठ गई। बोअज़ ने उसे ढेर सारा भुना अनाज दिया। रूत ने भरपेट खाया और कुछ भोजन बच भी गया। 15तब रूत उठी और काम करने लौट गई। तब बोअज़ ने अपने सेवकों से कहा, "रूत को अन्न की ढेरी के पास भी अन्न इकट्ठा करने दो। उसे रोको मत। 16उसके काम को, उसके लिये कुछ दाने से भरी बालें गिराकर, हलका करो। उसे उस अन्न को इकट्ठा करने दो। उसे रूकने के लिये मत कहो।"

नाओमी बोअज़ के बारे में सुनती है

17रूत ने सन्ध्या तक खेत में काम किया। तब उसने भूसे से अन्न को अलग किया। लगभग आधा बुशल जौ निकला। 18रूत उस अन्न को अपनी सास को यह दिखाने के लिये ले गई कि उसने कितना अन्न इकट्ठा किया है। उसने उसे वह भोजन भी दिया जो दोपहर के भोजन में से बच गया था।

19उसकी सास ने उससे पूछा, "यह अन्न तुमने कहाँ से इकट्ठा किया है? तुमने कहाँ काम किया? उस व्यक्ति को यहोवा का आशीर्वाद मिले, जिसने तुम पर ध्यान दिया।" तब रूत ने उसे बताया कि उसने किसके साथ काम किया था। उसने कहा, "जिस व्यक्ति के साथ मैंने काम किया था, उसका नाम बोअज़ है।" नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, "यहोवा उसे आशीर्वाद दे। यहोवा सभी पर दया करता रहता है चाहे वे जीवित हों या मृत हों। 20तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, "बोअज़ हमारे सम्बन्धियों में से एक है। बोअज़ हमारे संरक्षकों* में से एक है।" 21तब रूत ने कहा, "बोअज़ ने मुझे वापस आने और काम करने को भी कहा है। बोअज़ ने कहा है कि मैं सेवकों के साथ तब तक काम करती रहूँ जब तक फ़सल की कटाई पूरी नहीं हो जाती।"

22तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु रूत से कहा, "यह अच्छा है कि तुम उसकी दासियों के साथ काम करती रहो। यदि तुम किसी अन्य के खेत में काम करोगी तो कोई व्यक्ति तुम्हें कोई नुकसान पहुँचा सकता है।" 23अत: रूत बोअज़ की दासियों के साथ काम करती रही। उसने तब तक अन्न इकट्ठा किया जब तक फसल की कटाई पूरी नहीं हुई। उसने वहाँ गेहूँ की कटाई के अन्त तक भी काम किया। रूत अपनी सास, नाओमी के साथ रहती रही।

खलिहान

3 तब रूत की सास, नाओमी ने उससे कहा, "मेरी पुत्री, संभव है कि मैं तेरे लिए एक अच्छा घर पा सकूँ। यह तेरे लिये अच्छा होगा। 2बोअज़ उपयुक्त व्यक्ति हो सकता है। बोअज़ हमारा निकट का सम्बन्धी* है। तुमने उसकी दासियों के साथ काम किया है। आज रात वह खलिहान में काम कर रहा होगा। 3जाओ, नहाओ और अच्छे वस्त्र पहनो। सुगन्ध द्रव्य लगाओं और खलिहान में जाओ। किन्तु बोअज़ के सामने तब तक न पड़ो जब तक वह रात्रि का भोजन न कर ले। 4भोजन करने के बाद, वह आराम करने के लिये लेटेगा। देखती रहो जिससे तुम यह जान सको कि वह कहाँ लेटा है। वहाँ जाओ

तुम उसके ... आई हो "तुम रक्षा के लिये उसके पंखों के नीचे आई हो।"

संरक्षकों "कष्ट से मुक्ति देने वाला।" वह व्यक्ति जो मृत व्यक्ति के सम्बन्धियों की देखभाल और रक्षा करता है। यह कभी कभी अपने गरीब सम्बन्धी को वापस खरीदकर दासता से स्वतंत्र (कष्ट से मुक्ति) कराने वाला होता है।

निकट सम्बन्धी ऐसा नि कट सम्बन्धी जो रूत के साथ विवाह कर सकता था, जिससे उसको सन्तान हो इस व्यक्ति को उस परिवार की देखभाल करनी पड़ती हैं किन्तु उसका परिवार और उसकी सम्पत्ति उसकी नहीं होती। वे सभी रूत के मृत पति के होंगे।

और उसके पैर के वस्त्र उघाड़ो।* तब बोअज़ के साथ सोओ। वह बताएगा कि तुम्हें विवाह के लिये क्या करना होगा।

5तब रूत ने उत्तर दिया, "आप जो करने को कहती हैं, मैं करूँगी।"

6इसलिये रूत खलिहान में गई। रूत ने वह सब किया जो उसकी सास ने उससे करने को कहा था। 7खाने और पीने के बाद बोअज़ बहुत सन्तुष्ट था। बोअज़ अन्न के ढेर के पास लेटने गया। तब रूत बहुत धीरे से उसके पास गई और उसने उसके पैरों का वस्त्र उघाड़ दिया। रूत उसके पैरों के बगल में लेट गई। 8करीब आधी रात को, बोअज़ ने नींद में अपनी करवट बदली और वह जाग पड़ा। वह बहुत चकित हुआ। उसके पैरों के समीप एक स्त्री लेटी थी। 9बोअज़ ने पूछा, "तुम कौन हो?"

उसने कहा, "मैं तुम्हारी दासी रूत हूँ। अपनी चादर मेरे ऊपर ओढ़ा दो।* तुम मेरे रक्षक हो।"

10तब बोअज़ ने कहा, "युवती, यहोवा तुम्हें आशीर्वाद दे। तुमने मुझ पर विशेष कृपा की है। तुम्हारी यह कृपा मेरे प्रति उससे भी अधिक है जो तुमने आरम्भ में नाओमी के प्रति दिखाई थी। तुम विवाह के लिये किसी भी धनी या गरीब युवक की खोज कर सकती थी। किन्तु तुमने वैसा नहीं किया। 11युवती, अब डरो नहीं। मैं वही करूँगा जो तुम चाहती हो। मेरे नगर के सभी लोग जानते हैं कि तुम एक अच्छी स्त्री हो। 12और यह सत्य है, कि मैं तुम्हारे परिवार का निकट सम्बन्धी हूँ। किन्तु एक अन्य व्यक्ति है जो तुम्हारे परिवार का मुझसे भी अधिक निकट का सम्बन्धी है। 13आज की रात यहीं ठहरो। प्रात: काल हम पता लगायेंगे कि क्या वह तुम्हारी सहायता करेगा।* यदि वह तुम्हें सहायता देने का निर्णय लेता है तो बहुत अच्छा होगा। यदि वह तुम्हारी सहायता करने से इन्कार करता है तो यहोवा के अस्तित्व को साक्षी करके, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं तुमसे विवाह करूँगा और एलीमेलेक की भूमि को तुम्हारे लिये खरीद कर लौटाऊँगा।* इसलिए सुबह तक यहीं लेटी रहो!"

14इसलिये रूत बोअज़ के पैर के पास सवेरे तक लेटी रही। वह अंधेरा रहते ही उठी, इससे पहले की इतना प्रकाश हो कि लोग एक दूसरे को पहचान सकें।

बोअज़ ने उससे कहा, "हम इसे गुप्त रखेंगे कि तुम पिछली रात मेरे पास आई थी।" 15तब बोअज़ ने कहा, "अपनी ओढ़नी मेरे पास लाओ। अब, इसे खुला रखो।"

इसलिए रूत ने अपनी ओढ़नी को खुला रखा, और बोअज़ ने लगभग एक बुशल जौ उसकी सास नाओमी को उपहार में दिया। तब बोअज़ ने उसे रूत की ओढ़नी में बाँध दिया और उसे उसकी पीठ पर रख दिया। तब वह नगर को गया।

16रूत अपनी सास, नाओमी के घर गई। नाओमी द्वार पर आई और उसने पूछा, "बाहर कौन है?" रूत घर के भीतर गई और उसने नाओमी को हर बात जो बोअज़ ने की थी, बतायी। 17उसने कहा, "बोअज़ ने यह जौ उपहार के रूप में तुम्हें दिया है। बोअज़ ने कहा कि आपके लिए उपहार लिये बिना, मुझे घर नहीं जाना चाहिए।"

18नाओमी ने कहा, "पुत्री, तब तक धैर्य रखो जब तक हम यह सुनें कि क्या हुआ। बोअज़ तब तक विश्राम नहीं करेगा जब तक वह उसे नहीं कर लेता जो उसे करना चाहिए। हम लोगों को दिन बीतने के पहले मालूम हो जायेगा कि क्या होगा।"

बोअज़ तथा अन्य सम्बन्धी

4 बोअज़ उस स्थान पर गया जहाँ नगर द्वार पर लोग इकट्ठे होते हैं। बोअज़ तब तक वहाँ बैठा जब तक वह निकट सम्बन्धी वहाँ से नहीं गुजरा जिसका जिक्र बोअज़ ने रूत से किया था। बोअज़ ने उसे बुलाया, "मित्र, आओ! यहाँ बैठो!"

2तब बोअज़ ने वहाँ गवाहों को इकट्ठा किया। बोअज़ ने नगर के दस अग्रजो (बुजुर्गो) को एकत्र किया। उसने कहा, "यहाँ बैठो!" इसलिये वे वहाँ बैठ गए। 3तब बोअज़ ने उस निकट सम्बन्धी से बातें कीं। उसने कहा, "नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश से लौट आई है। वह उस भूमि को बेच रही है जो हमारे सम्बन्धी एलीमेलेक की है। 4मैंने

पैर के वस्त्र उघाड़ों "उसके पैर को वस्त्रहीन करो।" हिब्रू भाषा में 'पैर' शब्द का अर्थ यौन अंग भी होता है। इससे यह पता चलता था कि रूत उस व्यक्ति से अपना रक्षक और मुक्तिदाता होने की याचना कर रही थी।

चादर ओढ़ा दो "अपने पंखों को मेरे ऊपर फैलाओ।" यह इस बात का सूचक है कि रूत सहायता और रक्षा चाहती थी। तुम मेरे रक्षक हो। देखें रूत 2:12

सहायता करेगा "मुक्ति दिलायेगा।"

खरीद कर लौटाऊँगा "मैं तुम्हें मुक्त करूँगा।"

तय किया है कि मैं इस विषय में यहाँ रहने वाले लोगों और अपने लोगों के अग्रजों के सामने तुमसे कहूँ। यदि तुम भूमि को खरीदकर वापस लेना चाहते हो तो खरीद लो! यदि तुम भूमि को ऋणमुक्त करना नहीं चाहते तो मुझे बताओ। मैं जानता हूँ कि तुम्हारे बाद वह व्यक्ति मैं ही हूँ जो भूमि को ऋणमुक्त कर सकता है। यदि तुम भूमि को वापस नहीं खरीदते हो, तो मैं खरीदूँगा।"

5तब बोअज़ ने कहा, "यदि तुम भूमि नाओमी से खरीदोगे तो तुम्हें मृतक की पत्नी, मोआबी स्त्री रूत भी मिलेगी। जब रूत को बच्चा होगा तो वह भूमि उस बच्चे की होगी। इस प्रकार भूमि मृतक के परिवार में ही रहेगी।"

6निकट सम्बन्धी ने उत्तर दिया, "मैं भूमि को वापस खरीद नहीं सकता। यद्यपि यह भूमि मेरी होनी चाहिए थी किन्तु मैं इसे खरीद नहीं सकता। यदि मैं ऐसा करता हूँ, तो मुझे अपनी सम्पत्ति से हाथ धोना पड़ सकता है। इसलिए तुम उस भूमि को खरीद सकते हो।" 7(इम्राएल में बहुत समय पहले जब कोई व्यक्ति किसी सम्पत्ति को खरीदता या ऋणमुक्त करता था, तो एक व्यक्ति अपने जूते को उतारता था, और दूसरे व्यक्ति को दे देता था। यह उनके खरीदने का प्रमाण था।) 8सो उस निकट सम्बन्धी ने कहा, "भूमि खरीद लो।" तब उस निकट सम्बन्धी ने अपने एक जूते को उतारा और इसे बोअज़ को दे दिया।

9तब बोअज़ ने अग्रजों और सभी लोगों से कहा, "आज आप लोग मेरे गवाह हैं कि मैं नाओमी से वे सभी चीज़ें खरीद रहा हूँ जो एलीमेलेक, किल्योन और महलोन की हैं। 10मैं रूत को भी अपनी पत्नी बनाने के लिये खरीद रहा हूँ। मैं यह इसलिए कर रहा हूँ कि मृतक की सम्पत्ति उसके परिवार के पास ही रहेगी। इस प्रकार मृतक का नाम उसके परिवार और उसकी भूमि से नहीं हटाया जायेगा। आप लोग आज इसके गवाह हैं।"

11इस प्रकार सभी लोग और अग्रज जो नगर द्वार के समीप थे, गवाह हुए। उन्होंने कहा:

यह स्त्री जो तुम्हारे घर जाएगी,
यहोवा उसे राहेल और लिआ जैसी करे
जिसने इम्राएल वंश को बनाया।
हम प्रार्थना करते हैं–तुम एप्राता* में
शक्तिशाली होओ!
तुम बेतलेहेम में प्रसिद्ध होओ!

12 जैसे तामार ने यहूदा के पुत्र पेरेस* को
जन्म दिया और उसका परिवार महान बना।
उसी तरह यहोवा तुम्हें भी रूत से कई पुत्र दे
और तुम्हारा परिवार भी उसकी तरह महान हो।

13इस प्रकार बोअज़ ने रूत से विवाह किया। यहोवा ने रूत को गर्भवती होने दिया और रूत ने एक पुत्र को जन्म दिया। 14नगर की स्त्रियों ने नाओमी से कहा,

उस यहोवा का आभार मानो जिसने
तुम्हें ऐसा पुत्र दिया।
यहोवा करे वह, इम्राएल में प्रसिद्ध हो।
15 वह तुम्हें फिर देगा एक जीवन!
और बुढ़ापे में तुम्हारा वह रखेगा ध्यान।
तुम्हारी बहू के कारण घटना घटी है यह
गर्भ में धारण किया उसने यह
बच्चा तुम्हारे लिए।
प्यार वह करती है तुमसे
और वह उत्तम है तुम्हारे लिए
सात बेटों से अधिक।"

16नाओमी ने लड़के को लिया, उसे अपनी बाहों में उठा लिया, तथा उसका पालन–पोषण किया। 17पड़ोसियों ने बच्चे का नाम रखा। उन स्त्रियों ने कहा, "अब नाओमी के पास एक पुत्र है!" पड़ोसियों ने उसका नाम ओबेद रखा। ओबेद यिशै का पिता था और यिशै, राजा दाऊद का पिता था।

रूत और बोअज़ का परिवार

18पेरेस के परिवार की वंशावली यह है:

हिस्रोन का पिता पेरेस था।
19 एराम का पिता हिस्रोन था।
अम्मीनादाब का पिता एराम था।
20 नहशोन का पिता अम्मीनादाब था।
सल्मोन का पिता नहशोन था।
21 बोअज़ का पिता सल्मोन था।
ओबेद का पिता बोअज़ था।
22 यिशै का पिता ओबेद था।
दाऊद का पिता यिशै था।

एप्राता बेतलेहेम का दूसरा नाम।

पेरेस बोअज़ के पूर्वजों में से एक।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html